शनिवार
23 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

आपके जूते कैसे कर रहे हैं आपको बीमार, कहीं आपके पास भी तो ये वाले नहीं हैं?

पृष्ठ 5

अजय देवगन-तबु की फिर दिखेगी जोड़ी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 308
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है।

– रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- हरिद्वार में वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ का आगाज -

सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण जरूरी: धनखड़

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय वेद विज्ञान संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ आज उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी देश और समाज द्वारा यदि अपनी सांस्कृतिक धरोहरों की हिफाजत नहीं की जाती है तो उसकी संस्कृति और सभ्यता समय के साथ विलुप्त होने लगती है। इसलिए हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर सतत प्रयास करते रहने चाहिए। जिससे देश की भावी पीढ़ी अपनी संस्कृति को समझ सके।

❑उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया उद्घाटन
❑हर भारतीय को अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिएः धामी

धर्मनगरी में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में उपराष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में भाग ले रहे हैं उनका कहना है कि हमारे देश का इतिहास इन सांस्कृतिक धरोहरों के अभाव में अपूर्ण ही होगा इसलिए इनका संरक्षण जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जताई कि अब इसे लेकर जन जागरूकता बढ़ी है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी हरिद्वार पहुंचे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हर क्षेत्र में बड़े-बड़े बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिन पंच प्रण की बात कही गई थी उसमें एक प्रण विरासत पर गर्व भी था। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व होना चाहिए और यह गर्व होगा तभी हम अपनी इन

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने पर हैड कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। यूकेएसएसएससी का फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने पर हैड कांस्टेबल के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अनुभाग अधिकारी प्रमित सिंह अधिकारी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सचिव, उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के व्हाटसएप पर स्नातक स्तरीय परीक्षा में आठ अभ्यर्थियों को नामांकित करते हुए फर्जी नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ। उक्त पत्र की जांच के लिए कार्यालय के पत्र द्वारा उप महानिरीक्षक, एस.टी.एफ. (साईबर सेल), देहरादून को अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया। इसी क्रम में आयोग के 20 दिसम्बर, 2023 पुनः उप महानिरीक्षक, एस.टी.एफ. (साईबर सेल), देहरादून को पत्र प्रेषित कर जांच आख्या उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक, एस.टी.एफ., उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय, देहरादून ने अपने पत्र 20 दिसम्बर, 2023 के द्वारा अवगत कराया है कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 9 जुलाई 2023 को विभिन्न पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें महिला अभ्यर्थी माया खंकरियाल, भी सम्मिलित हुई थी, जो उक्त लिखित परीक्षा में सफल नहीं हुई। उक्त महिला अभ्यर्थी की ई मेल आईडी पर आयोग की मिलती-जुलती ईमेल आईडी से एक फर्जी नियुक्ति पत्र प्रेषित किया गया था, जिसके सम्बन्ध में जांच की गई तो ज्ञात हुआ कि उक्त ईमेल आईडी 31वीं वाहिनी पी. ए.सी. रुद्रपुर में नियुक्त हैड कांस्टेबल मनोज भट्ट द्वारा अपने मोबाईल फोन से बनाया गया था। मनोज भट्ट द्वारा उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की फर्जी भ्रामक ईमेल आईडी बनाकर नियुक्ति सम्बन्धी फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर महिला अभ्यर्थी माया खंकरियाल को भेजकर धोखाधड़ी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

देश में 24 घंटे में मिले 752 कोरोना मरीज, 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के बढ़ते मामले लोगों को डरा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में शनिवार को कोविड-19 के एक्टिव मामलों की संख्या 3,000 का आंकड़ा पार कर गई है। साथ ही पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 752 नए केस मिले हैं जो मई, 2023 के बाद एक दिन में मिलने वाले सबसे ज्यादा मामले हैं, साथ ही 24 घंटे में कोरोना से चार रोगियों की मौतें हुई हैं। शुक्रवार को, भारत में 640 ताजा कोविड-19 संक्रमण और एक मौत दर्ज की गई। पिछले दिन एक्टिव केस 2,669 से बढ़कर 2,997 हो गए और शनिवार को यह आंकड़ा 3,420 हो गया। शनिवार सुबह 8 बजे अपडेट किए गए मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 17 राज्यों में कोविड-19 के एक्टिव मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिसमें केरल (266), कर्नाटक (70), महाराष्ट्र (15), तमिलनाडु (13) और गुजरात (12) जैसे राज्य शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि केरल में कोविड से दो मौतें और कर्नाटक और राजस्थान में एक-एक मौत दर्ज की गई।

सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाक आतंकी को किया ढेर, साथी का शव लेकर सीमा पार भागे 3 आतंकी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की तरफ से आए आतंकियों ने एक बार फिर घुसपैठ करने की कोशिश की, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है।

अखनूर सेक्टर में हुई घुसपैठ की कोशिश के दौरान चार आतंकवादियों ने भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। इस दौरान ड्यूटी पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। इसके बाद बचे हुए तीन आतंकी अपने साथी का शव घसीटते हुए लेकर सीमा पार भाग गए। भारतीय सेना की श्व्हाइट नाइट कोरश ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा, खौर, अखनूर के आईबी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश

नाकाम की गई। 22/23 दिसंबर की रात को अपने निगरानी उपकरणों के माध्यम से चार आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके बाद प्रभावी ढंग से गोलीबारी की गई। आतंकवादियों को एक शव को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार घसीट कर ले जाते हुए देखा गया।श वहीं जम्मू के पुंछ में मुठभेड़ वाली जगह पर 3 लोगों के संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इस बीच जम्मू कश्मीर के राजौरी और पुंछ में आतंकवादियों की तलाश में सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन तीसरे दिन आज (23 दिसंबर) भी जारी है। 21 दिसंबर को पुंछ में एक टारगेट हमले में भारतीय सेना के चार जवान शहीद हो गए हैं और तीन अन्य घायल हैं। आतंकी हमले में 3 से 4 आतंकवादी शामिल रहे। यह हमला डेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर किया गया। आतंकियों ने हमले को अंजाम देने से पहले रेकी की थी और खुद पहाड़ी के ऊपर चले गए और फिर वहां से सेना के दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की।

दून वैली मेल

संपादकीय

राहतों की बरसात

मौसम अगर चुनावी हो तो यह स्वाभाविक ही है कि सभी सत्ताधारी दलों की सरकारें कर्मचारियों और आम जनता पर मेहरबान दिखाई देती हैं। कल सूबे की धामी सरकार की कैबिनेट की बैठक में कर्मचारियों और युवाओं से लेकर उद्यमियों तक के हितों से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। प्रमोशन में शिथिलीकरण की सुविधा की समय सीमा बढ़ाकर 30 जून 2024 कर दी गई। सरकार के फैसले से कर्मचारियों के प्रोन्नति का रास्ता खुल गया है जो 2022 से बंद पड़ा था जो बात सरकार हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी मानने को तैयार न हुई थी अब उसे सहज ही मान लिया गया है। सरकार के फैसले से प्रोन्नति होने से खाली हुए पदों को भरने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार द्वारा 2016 में रोडवेज विभाग में मृतक आश्रितों को नौकरी देने की जिस व्यवस्था पर रोक लगा दी गई थी उस रोक को भी हटाने का फैसला कल कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। मृतक आश्रित रोडवेज के कर्मचारियों के जो बच्चे स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे थे अब उनको रोडवेज में नौकरी मिल सकेगी। 2016 से पूर्व की तरह अब सभी मृतक आश्रितों को नौकरियां मिल सकेगी इनकी संख्या 195 बताई जा रही है। कल हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने कर्मचारियों की बीमा सुरक्षा को 20 लाख कर दिया है। सरकार अब कर्मचारियों के बीमा प्रीमियम को बढ़ाने को तैयार है। इसका लाभ सभी वर्ग के कर्मचारियों को मिल सकेगा। जिन्हें पहले एक लाख का बीमा लाभ मिलता था उन्हें अब 5 लाख मिलेगा और जिन्हें चार लाख मिलता था उन्हें अब 20 लाख का बीमा लाभ दिया जाएगा। कैबिनेट में 327 पुलिस कांस्टेबल व सब इंस्पेक्टरों के पदों को भरने की मंजूरी भी दे दी है जो युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। उद्यमियों के नक्शे पास अब स्टेट इंफ्रास्ट्रेक्चर डवलपमेंट अथॉरिटी करेगी, प्राधिकरण से नक्शे पास करने में आने वाली मुश्किलों का उन्हें सामना नहीं करना पड़ेगा। कल की बैठक में गरीबों के लिए सस्ता नमक उपलब्ध कराने का फैसला भी मान लिया गया है। राज्य सरकार लंबे समय से इस पर विचार कर रही थी जो नमक बाजार में 20-25 रुपए किलो मिलता है वह इन राज्य के गरीब परिवारों को मात्र 8 रूपये किलो में उपलब्ध कराया जाएगा। अभी कुछ ही समय पहले सरकार ने और भी बहुत सारे फैसले किए थे। जो सीधे-सीधे जनहित से जुड़े हुए हैं। राज्य सरकार ने कल की कैबिनेट बैठक में जो सबसे अहम फैसला लिया है वह ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेलवे स्टेशनों के आसपास नए निर्माण पर लगाए जाने वाली रोक का है। सरकार का इरादा है कि इन रेलवे लाइन के सभी 11 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नए शहरों को बसाया जाए जिससे लोगों का जीवन आसान बन सके। फैसले में स्टेशन के 400 मी. हवाई दूरी तक खाली रखने के आदेश हो सकते हैं। रेलवे लाइन और स्टेशन के पास विकसित किए जाने वाले इन शहरों को उनकी वहनीय क्षमता और नियोजित तरीके से बसाया जा सकेगा साथ ही इनमें बसने वालों के लिए पहाड़ का सफर आसान भी रहेगा। वही अभी कैबिनेट की यह बैठक लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाली कोई अंतिम बैठक नहीं है बीते कुछ महीनो से धामी सरकार द्वारा ताबड़तोड़ कैबिनेट बैठकें की जा रही है और उनमें जनहित से जुड़े मुद्दों पर बड़े-बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। आने वाले समय में होने वाली कैबिनेट बैठकों में भी कुछ इसी तरह की राहतों की बरसात जारी रह सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इन दिनों फुल एक्शन मोड में है उनके द्वारा यूसीसी जैसे अहम मुद्दों को लेकर भी स्थिति साफ की जा चुकी है और आंदोलनकारियों के क्षैतिज आरक्षण पर यह साफ कर दिया गया है कि जनवरी व फरवरी तक इन सभी मुद्दों को अंजाम तक पहुंचा दिया जाएगा। बीजेपी इन दिनों अपनी पूरी ताकत के साथ मिशन 2024 की तैयारी में जुटी हुई है। चुनावी दौड़ में होने वाले जनहित के यह फैसले निश्चित ही जनता को भी भा रहे हैं क्योंकि चुनाव के कारण ही सही कुछ तो ऐसा हो रहा है जो उनके लिए फायदा पहुंचाने वाला है।

कांग्रेस ने किया मूल निवास स्वाभिमान महारैली का समर्थन

देहरादून (सं)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करने माहरा ने मूल निवास स्वाभिमान महारैली के संयोजक को पत्र लिखकर महारैली का समर्थन किया। आज यहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मूल निवास स्वाभिमान महारैली के संयोजक को पत्र लिखकर कहा कि कांग्रेस कमेटी राज्य के जन सरोकारों के मुद्दों पर सदैव जनता के साथ खडी रही है और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा। उनके द्वारा उत्तराखंड की मनभावनी के अनुरूप जो महत्वपूर्ण दो मुद्दे मूल निवास एवं भू कानून संबंधित है, कांग्रेस पार्टी उनका समर्थन करती है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा मूल निवास,भू कानून एवं निजी क्षेत्र में बेरोजगारो को 70 प्रतिशत आरक्षण देने और उनके हितों को संरक्षित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों में सार्थक निर्णय लिए गये थे । कांग्रेस पार्टी उपरोक्त दोनों मुद्दों पर अपना पूर्ण समर्थन देती है। उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बडी संख्या में पहुंचकर इसकी सफलता में योगदान देंगे।

एते असृग्रमिन्दवस्तिरः पवित्रमाशवः।
विश्वान्यभि सौभगा।।

(ऋग्वेद ९-६२-१)

जो मनुष्य अपने अंत:करण को पवित्र करके मानवता के हित में उत्तम कर्म करता है उसे सम्मान और समृद्धि प्राप्त होती है।

भीषण आग की चपेट में हैं उत्तरकाशी के जंगल

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। समूची उत्तरकाशी पिछले आठ दिनों से जंगलों की भीषण आग के धुएं की धुंध में है। जंगलों की भीषण आग आज भी यक्ष प्रश्न बनकर मुहँ बाए खड़ी है समाज और सरकार के आगे। आखिर कौन बुझाए इस आग को ये आज भी यक्ष प्रश्न है।

आज बात करते हैं उत्तरकाशी के साथ साथ उत्तराखंड के जलते जंगलों की और आपको लिए चलते हैं भीषण आग से जल रहे उत्तरकाशी के जंगलों में। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग थमने का नाम नहीं ले रही है। उत्तराखंड के कुल क्षेत्रफल 54834 वर्ग किलोमीटर में से 34434 वर्ग किलोमीटर हिस्से में वन क्षेत्र है। उत्तरकाशी में 88% क्षेत्रफल में जंगल क्षेत्र है। किसी भी देश मे आदर्श पर्यावरण के लिए 33% भूभाग में जंगल होने चाहिये।

देश मे 1952 में पहली बार जब अपने देश की वननीति बनी तब देश मे कुल 23% वनक्षेत्र ही थे जो अब घटकर मात्र 11% प्रतिशत ही बच गए हैं। अगर जंगलों की आग इसी तरह प्रतिवर्ष यों ही भीषण रूप लेती रहे तो बचे खुचे जंगलों को समाप्त होने में समय नहीं लगेगा।

इधर आजकल शीतकाल में भी उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग ने अति विकराल रूप धारण कर लिया है। उत्तरकाशी के जंगलों व जिला मुख्यालय से लगे पर्वतों पहाड़ों पर लगी भीषण आग की लपटें तो मानों आसमान को छूने को लालायित हैं। उत्तरकाशी जिले का वन महकमा कहीं चैन की नींद सो रहे हैं।

समूचे उत्तराखंड में इस सीजन में आग की लगभग 1000 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। करोड़ों की वन उपज व हरियाली नष्ट हो चुकी हैं। वन्य जीव जंतुओं के लिए जंगलों की आग एक भयंकर आपदा से कम नहीं। लेकिन लगता है कि उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग अब वनविभाग के लिए चिंता का विषय नहीं रह गया है। उत्तराखंड के जंगलों का आग से जलना अब नियति बन चुका है। जिले-जिले, शहर-शहर, जंगल- जंगल से आग पसर कर समूचे गढ़वाल व कुमायूं मंडल को अपने आगोश में ले चुकी है। समूचा उत्तराखंड धुएं की आगोश में हैं। वनविभाग के आग बुझाने के तमाम दावे जंगलों की भीषण आग के आगे बौने साबित हो रहे हैं। जंगलों की आग के लिए आखिर जिम्मेदार कौन हैं? और जंगलों की आग आखिर बुझाए कौन? ये दो सवाल यक्षप्रश्न की तरह आज से नहीं दसकों से अनुत्तरित हैं। आखिर जंगल में आग लगाता कौन है?

आज से 30-40 साल पहले के जमाने में तो जंगल मे आग लगते ही ग्रामीण ही सबसे पहले आग बुझाने आते थे, क्योंकि उस जमाने गांव की समूची आर्थिकी जंगलों पर ही निर्भर थी। जंगलों से घास, लकड़ी, जलाऊ, इमारती, खेती बाड़ी, खेत खलियान, हवा, पानी, सिंचाई के लिए, पीने के लिए, पशुओं के लिये,,चारा पत्तियों से लेकर कृषि से संबंधित हल तागड, टोकरी से लेकर बोझ उठाने के लिए रिंगाल, मकान के लिए पत्थर गारे, मिट्टी, मकान की छत के लिए पटाल से लेकर कड़ी तखते, लेपने पोतने के लिए मिट्टी से लेकर लाल मिट्टी, कमेडू, खाने के लिए जँगली फल फूल सभी कुछ तो जंगलों से ही मिलता था, वो भी निशुल्क! शायद इसी लाभ के चलते ग्रामीण ही सबसे पहले जंगल की आग बुझाने आते थे।

यह भी जानना जरूरी है कि जंगलों की भीषण आग में प्रतिवर्ष करोड़ों की वन संपदा तो खाक होती ही है, लेकिन अमूल्य दिव्य दुर्लभ देव जड़ी बूटियां, हरियाली, बेजुबान वन्य जीव, पशु पक्षी इस आग की भेंट चढ जाते हैं। जिस हानि की न तो सरकारी व न गैर सरकारी स्तर पर कोई समीक्षा की जाती है। खैर अब तो जंगलों पर जंगलात वालों के अधिकार हैं। उनकी मर्जी से आप एक रिंगाल भी जंगल से काट कर नहीं ला सकते, 'कलम' बनाने के लिए। लेकिन जंगलों पर अगर आज कोई भारी है तो खनन माफिया, लक्कड़ माफिया, जड़ी बूटी माफिया, वन्य जीव तस्कर और भू माफिया। इनके लिए सब माफ है।

जंगलों को आग से बचाना है तो जनता यानी ग्रामीणों व जंगलों के बीच के आज से 50 वर्ष पुराने 'रिश्तों' को फिर से जिंदा करने की आवश्यकता है। जब ग्रामीण जंगलों को जंगलात का नहीं खुद का समझने लगेंगे तो उस समय समझो कि जंगलों की आग को नियंत्रित किया जा सकता है।। ग्रामीण लोग ही जंगलों की भीषण आग को नियंत्रित करने में सबसे ज्यादा सहायक होंगे।

गौरतलब है कि अपने देश के जंगल खासकर उत्तराखंड के जंगल अप्रैल से लेकर जून तक धू धूकर जलते हैं। लेकिन इस बार तो हद हो गई है कि दिसंबर में ही उत्तराखण्ड के जंगल भीषण आग की चपेट में हैं।

अपने राज्य उत्तराखंड व देश के दूसरे जंगलों की आग हमेसा की तरह ही प्रकृति की कृपा से ही बारिश आने के बाद बुझती है। तब अपने देश के सारे के सारे उपाय, संसाधन धरे के धरे रह जाते हैं, ये अलग बात है कि जंगलों की आग के साथ वन उपज के साथ साथ करोड़ों रुपये तो स्वाहा हो ही जाते है और अधिकारियों की पौबारह बल्ले बल्ले हो जाती है। आग दुनियां के किसी भी छोर पर लगे, दुनियाँ के पर्यावरण के लिए घातक है।

इधर आजकल आग की कई घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन, अभी जो आग लगी है उससे तबाही का मंजर और भयावह होता जा रहा है। इस आग की वजह से समूची उत्तरकाशी धुंध के आगोश में है। कौन बुझायेगा आग जंगलों की? क्या वन्य जीव, क्या पशु पक्षी, क्या वन उपज खनिज, क्या वनस्पति, क्या वन ओषधियाँ, क्या बेशकीमती जड़ी बूटियां सब खाक हो रहीं हैं।।

आज की खबर इस कविता के साथ समाप्त करता हूं।

जंगल जले,
उत्तराखंड के जंगल जले,
कभी यहाँ जले ,
कभी जंगल वहाँ जले।
कभी रातभर जले,
कभी दिनभर जले।
कभी कई रात दिन जले,
जंगल जले।
वन विभाग के
नाक के तले जंगल जले,
तब फिर से जंगल लगे।
वनविभाग होश में आओ,
जंगलों की भीषण आग को बुझाओ।
जंगलों में आग नहीं,
पेड़ लगाओ।
जंगल हैं तो जल है,
जल है तो कल है।

एसटीएफ ने 85 लाख के घोटाले के आरोपी को राजस्थान से किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने 85 लाख की साइबर ठगी करने वाले आरोपी को राजस्थान के भीलवाडा से गिरफ्तार कर लिया जिसको बी वारंट पर दून लाया जायेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको पार्ट टाइम जॉब का मैसेज प्राप्त हुआ। उसने जब उससे सम्पर्क किया तो उसने अपने आपको कम्पनी का मैनेजर बताया। और उसको कम्पनी में रजिस्ट्रेशन, एनओसी तथा लाईसेन्स फीस देने के नाम पर 47 लाख रूपये ठग लिये। जांच में पता चला कि उक्त ठगों ने देश में कई लोगों से इस प्रकार लगभग 85 लाख रूपये की ठगी की है। जिसके बाद एसटीएफ टीम ने इस मामले में आरोपी को राजस्थान के भीलवाडा से एक को गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम अफजल अहमद पुत्र छोटू अहमद निवासी कच्ची बस्ती भीलवाडा बताया। जिसको बी वारंट पर दून लाया जा रहा है।

दो तमंचों सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने दो तमंचो सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो तमंचे बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रजत कुमार पुत्र राजकुमार व सावेज पुत्र हमीद निवासी ग्राम सिकंदरपुर भैंसवाल थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मस्जिद का चंदा गबन करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मस्जिद का लाखों रूपये का चंदा गबन करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम बस्ती कारगी निवासी मुख्तार अहमद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह व शमशाद कुरैशी मस्जिद उमर कारगी का संचालन व इन्तेजाम चला रहे थे। शमशाद कुरैशी द्वारा मस्जिद के लिए चन्दे की रकम 3 लाख 51 हजार शहर के लोगों से एकत्रित किया गया। उक्त चन्दे को को आपरेटिव बैंक शाखा बंजारावाला में रखने हेतु उसके और शमशाद कुरैशी के नाम खाता खुलवाया गया। शमशाद कुरैशी ने उसको बिना बताये धोखा देने की नियत से बैंक से अपने नाम एटीएम कार्ड जारी करा लिया और समस्त पैसा उसको बिना बताये निकाल लिया गया और अपने नीजि प्रयोग में खर्च कर लिया और मस्जिद का सारा चन्दा गबन कर लिया। जब उसने उसको चन्दा लौटाने के लिए तो उसने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारी मात्रा में चरस व नगदी सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 470 ग्राम चरस व 15 हजार रूपये की नगदी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना झबरेड़ा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को लाठरदेवा हुंण जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 470 ग्राम चरस व 15 हजार रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज पुत्र राजवीर निवासी लाठरदेवा हुंण झबरेड़ा बताया। बताया कि बरामद चरस को वह अपने साथी शोयब निवासी लहबोली मंगलौर से खरीदकर लाया था तथा 15 हजार की नगदी उसने चरस बेचकर कमाई है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

भारत विकसित संकल्प यात्रा पहुंची हरिद्वार

संवाददाता

हरिद्वार। विकसित भारत संकल्प यात्रा का छठे दिन का पड़ाव हरिद्वार के शंकराचार्य चौक पर रहा।

आज यहां केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार पूर्वक गरीबी रेखा में निवास करने वाले असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स, घरों में मजदूरी करने वाली महिलाएं को मोदी की गारंटी योजनाओं से लाभांशित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का छठे दिन का पड़ाव शंकराचार्य चौक पर रहा। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद की संयोजन में लगभग आठ विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों की मौजूदगी में भारत विकसित संकल्प यात्रा का रथ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डॉक्यूमेंट्री फिल्म को दर्शाते हुए योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ देश को विश्व गुरु बनाने की शपथ भी दिलाई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा में पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने पूर्ण सहयोग करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आम जनता को जागरूक किया। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की बदौलत आम जनता व रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारी प्रधानमंत्री स्वनीधि योजना का लाभ पूर्ण रूप से उठा रहे हैं विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान नगर निगम के सिटी मेंशन विभाग द्वारा 20,000 से 50,000 हजार तक के लोन का पंजीकरण किया जा रहा है अब तक 4000 से अधिक लगभग रेडी पटरी के लघु व्यापारी लाभार्थी बन चुके हैं जो कि हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना के तहत सरकार के संरक्षण में पहले दुकान में बेचने वाले के सामान के लिए बैंक लोन फिर मकान के लिए बगैर गारंटी के लोन बैंकों के माध्यम से धनराशि दी जा रही हैं। चोपड़ा ने कहा घर-घर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को पहुंचा कर गरीब मुक्त भारत का संकल्प पूर्ण किया जाएगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाजपा के मंडल अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट, पूर्व पार्षद सचिन अग्रवाल, सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद, सिटी मेंशन मैनेजर अंकित सिंह रमोला, शाहिद अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल संस्थान कर्मचारियों ने महाप्रबंधक कार्यालय पर किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। मांगे पूरी ना होने पर उत्तराखण्ड जल संस्थान कर्मचारियों ने मुख्य महाप्रबन्धक कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया।

आज यहां पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत जल संस्थान के कर्मचारी उत्तराखण्ड जल संस्थान कर्मचारी संगठन के बैनर तले नेहरू कालोनी स्थित मुख्य महाप्रबन्धक के कार्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया।

उनका कहना था कि दो दिसम्बर को ही संगठन की प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि उत्तराखण्ड जल संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों की निम्न समस्याओं का समाधान ना होने के कारण कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है तथा 21 दिसम्बर तक उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होता है तो 22 दिसम्बर को मुख्य महाप्रबन्धक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि सेवा की दृष्टि से उत्तराखण्ड जल संस्थान को राजकीय विभाग घोषित किया जाए तथा आयुष्मान योजना के तहत आ रही कठिनाईयों का शीघ्र निस्तारण किया जाये एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी शीघ्रातिशीघ्र आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाये। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जल संस्थान में कार्यरत कर्मियों की भविष्य निधि धनराशि जो कि सेविंग खातों के रूप में संचालित की जा रही है को राज्य कर्मियों की भांति भविष्य निधि धनराशि के ब्याज का लाभ दिया जाए।

कुछ लोगों को बिना चादर या कंबल ओढ़े क्यों नहीं आती नींद!

अच्छी नींद के लिए बिस्तर पर जाने से पहले हर कोई अपना एक रूटीन फॉलो करता है। कुछ लोग सोने से पहले नहाना पसंद करते हैं तो अन्य किसी विशेष स्थिति में सोते हैं तो ही उन्हें अच्छी नींद आती है। एक चीज जो अधिकांश लोगों में आम है और वह है कि रात में सोते समय उन्हें चादर या कंबल की जरूरत होती है। मौसम कोई भी हो, अधिकांश लोग अच्छी नींद के लिए बिना चादर या कंबल ओढ़े सोने की कल्पना नहीं कर पाते हैं।

इस मनोविज्ञान के पीछे भी वजह है। जब व्यक्ति सोता है तो उसके शरीर का तापमान गिरता है और यह सुबह 4 बजे सबसे कम बिंदु पर पहुंच जाता है। यह प्रक्रिया सोने से एक घंटे पहले शुरू हो जाती है और शरीर तापमान को विनियमित

करने की क्षमता खो देता है जब एक बार व्यक्ति रैपिड आई मूवमेंट (आरईएम) स्लीप साइकल पर पहुंच जाता है। रैपिड आई मूवमेंट का अर्थ व्यक्ति की बंद आंख के अंदर पुतलियों का तीव्र गति से इधर-उधर घूमना है। चादर या कंबल व्यक्ति को पूरी रात गर्म रहने में मदद करता है और कंपकंपी से बचाता है। दूसरी बात, बिस्तर पर जाते समय अपने आप को एक कंबल में ढकना सर्केडियन लय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सर्केडियन लय 24 घंटे का एक चक्र है जो कि जैव रासायनिक, शारीरिक और व्यवहारिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करके नींद के चक्र को प्रभावित करता है। यानी यह निर्धारित करने में मदद करता है कि शरीर कब सो जाने के लिए तैयार है और कब जागने के लिए तैयार है। इस आदत को जन्म से ही विकसित किया जाता है और बड़े होने पर भी यह वैसी ही बनी रहती है।

जर्नल ऑफ स्लीप मेडिसीन एंड डिसऑर्डर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि एक भारी कंबल के नीचे सोने से रात में अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है। 2020 में अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी में प्रकाशित हुए अध्ययन में खुलासा हुआ कि भारी कंबल, चिंता और अनिद्रा से पीड़ित लोगों की मदद कर सकता है।

तेजा सज्जा स्टारर सुपरहीरो फिल्म हनु-मन 2 जनवरी, 2024 को होगी रिलीज

हनु-मन, भारत की पहली सुपरहीरो फिल्म की शुरुआत करने वाला एक अभूतपूर्व उद्यम, प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की व्यापक दुनिया को उजागर करने के लिए तैयार है। तेजा सज्जा और अमृता अय्यर अभिनीत यह फिल्म 12 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है, जो भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। देश भर के दर्शक उत्सुकता से दिनों की गिनती कर रहे हैं, अंजनाद्रि के काल्पनिक क्षेत्र में एक झलक पाने के लिए उत्सुक हैं। के निरंजन रेड्डी के निर्माण कौशल और श्रीमती चैतन्य की प्रस्तुति के तहत, हनु-मन में वरलक्ष्मी सरथकुमार, विनय राय, गेटअप श्रीनु, सत्या, राज दीपक शेट्टी और अन्य कलाकारों की एक प्रभावशाली टोली शामिल है , जो एक ऐसे सिनेमाई अनुभव का वादा करना जो सामान्य से परे हो।

इस सिनेमाई प्रयास का मार्गदर्शन करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं जैसे कार्यकारी निर्माता अश्विन रेड्डी, लाइन निर्माता वेंकट कुमार जेट्टी, और एसोसिएट निर्माता कुशाल रेड्डी, प्रत्येक ने इस सुपरहीरो गाथा के सावधानीपूर्वक निर्माण में योगदान दिया है। कथा में एक सिम्फोनिक परत जोड़ते हुए, गौरहरि, अनुदीप देव और कृष्णा सौरभ की संगीत रचनाएँ फिल्म के भावनात्मक और एक्शन से भरपूर दृश्यों को ऊंचा करने के लिए तैयार हैं।

भाषाई सीमाओं से परे हनु-मान का वैश्विक दायरा उल्लेखनीय है। यह फिल्म न केवल विभिन्न भारतीय भाषाओं में बल्कि अंग्रेजी, स्पेनिश, कोरियाई, चीनी और जापानी में भी दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है, जो वास्तव में एक वैश्विक तमाशा सुनिश्चित करती है।

जैसे-जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, हनु-मन भारतीय सिनेमा के उभरते परिदृश्य के लिए एक प्रमाण के रूप में खड़ा है, जो न केवल मनोरंजन बल्कि सुपरहीरो शैली में एक अग्रणी छलांग का वादा करता है। 12 जनवरी, 2024 को एक सिनेमाई ब्रह्मांड के जन्म और भारत के अपने सुपरहीरो के उद्भव को देखने के लिए तैयार हो जाइए। (आरएनएस)

रणबीर कपूर की एनिमल ने तोड़े बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड!

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल की हर तरफ चर्चा हो रही है। इस फिल्म को सिनेमाघरों में लगे हुए दो सप्ताह पूरे हो चुके हैं। 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर जलवा चल रहा है। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को भारत सहित तमाम देशों में काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और जिसका नतीजा बॉक्स ऑफिस पर दिख रहा है। आइए जानते हैं कि इस फिल्म ने दो सप्ताह में बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन कर लिया है।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल जब से अनाउंस हुई थी तब से इसको लेकर काफी बज था। फिल्म के रिलीज होने के बाद इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ने साबित कर दिया कि लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को भारत सहित दुनिया की तमाम काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। रणबीर कपूर की फिल्म को सिनेमाघरों में दो सप्ताह हो हो गए हैं और इसके वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस के आंकड़े सामने आ गए हैं। टी-सीरीज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के वर्ल्डवाइड आंकड़े दिए हैं। इस फिल्म ने 14 दिन में 784.45 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इस तरह से फिल्म 800 करोड़ रुपये की कमाई से दो कदम दूर है। संदीप वंगा रेड्डी के डायरेक्शन में बनी फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी हैं। फिल्म एनिमल की कहानी एक गैंगस्टर फैमिली की है। जिसमें अनिल कपूर पिता हैं और रणबीर कपूर उनके बेटे के तौर पर नजर आ रहे हैं। फिल्म एनिमल में बॉबी देओल ने विलेन का रोल किया है। फिल्म एनिमल मे रणबीर कपूर और बॉबी देओल फाइट सीन को काफी ज्यादा पसंद किया गया। इस फिल्म को रिलीज हुए भले ही दो सप्ताह हो गए हैं लेकिन इसको लेकर एक्साइटमेंट कम नहीं हुआ है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

आपके जूते कैसे कर रहे हैं आपको बीमार, कहीं आपके पास भी तो ये वाले नहीं हैं?

आजकल मार्केट में तरह-तरह के डिजाइन, लुक, ब्रांड वाले जूते आ गए हैं। लोग ब्रांड और कीमत देखकर जूतों को खरीदते हैं। क्या आप जानते हैं कि जिन जूतों को आप इतनी पसंद से खरीदते हैं वे आपको बीमार भी बना सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जूतों की वजह से आर्थराइटिस, घुटने की दिक्कत, नॉकनिक, फ्लैटफिट और बोलैग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हाल ही में हुए एक रिसर्च में बताया गया कि जूतों को कंफर्ट के अनुसार न खरीदने से 23 प्रतिशत युवा खिलाड़ी वक्त से पहले ही अनफिट हो जाते हैं। आइए जानते हैं क्या कहता है रिसर्च और कहीं आप भी तो इन जूतों को नहीं पहन रहे हैं।

क्या कहता है जूतों पर हुआ रिसर्च

जूतों को किस आधार पर चुनना चाहिए, इसे लेकर क्वेश्चन बेस सर्वे किया गया। जिसमें 15-25 साल तक के 1000-1500 खिलाडियों से कुछ सवाल पूछे गए। सर्वे में पाया गया कि बॉडी के बैलेंस और पैरों के आर्क के अनुसार, जूते न पहनने से पैरों में परेशानियां आने लगती हैं, जो आगे चलकर पैरों को सही विकास को भी रोक सकती है। ये दिक्कत अर्थराइटिस, घुटने की दिक्कत, नॉकनिक, फ्लैटफिट और बोलैग की भी हो सकती है। इसी वजह से 25व खिलाड़ी युवा होते ही अनफीट हो जाते हैं।

ये रिसर्च स्पोर्ट्स शूज पर की गई पहली रिसर्च है। जिसमें बताया गया कि पैरेंट्स में बच्चों को बड़ा जूता दिलाने की आदत गलत है, क्योंकि बड़े जूते पहनने से बच्चों के पैरों का विकास काफी हद तक प्रभावित होता है, जो आगे चलकर कई तरह की परेशानियों का कारण बन सकता है। रिसर्च में बताया गया कि विदेशों में जूते बेचने वाली कंपनियां कस्टमर्स के पैरों की बनावट के हिसाब से जूते तैयार करती हैं। ये महंगा तो होता है लिकन पैरों की सेहत के लिए सही होता है, जबकि भारत में ऐसा नहीं होता है।

किस तरह के जूते खरीदने चाहिए

इस रिसर्च में बताया गया कि खिलाड़ी हो या आम आदमी जूते सस्ते, सुंदर और टिकाऊ देखकर खरीदते हैं। जो कि गलत है, अगर आप भी इस तरह के जूते पहन रहे हैं तो तुरंत अपनी आदत बदल लें, क्योंकि जूते हमेशा कंफर्ट को देखकर ही खरीदने चाहिए। शरीर के हिसाब से भी जूतों का चयन करना चाहिए। जूते कितनी देर तक पहन सकते हैं, इसका भी ख्याल रखना चाहिए। इसलिए जूते वहीं खरीदने चाहिए जो पैरों के लिए आरामदायक हों।

घटती कमाई के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है सैम बहादुर

विक्की कौशल स्टारर फिल्म 'सैम बहादुर' एक दिसंबर को रणबीर कपूर की 'एनिमल' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. 'सैम बहादुर' को ऑडियंस और क्रिटिक्स से बेशक पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला लेकिन 'एनिमल' के तूफान के आगे ये फिल्म उम्मीदों के मुताबिक कारोबार नहीं कर पाई.

देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की लाइफ पर बेस्ड फिल्म 'सैम बहादुर' रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है. फिल्म की कमाई पर एनिमल के सिनेमाघरों में गदर मचाने की वजह से काफी प्रभाव पड़ा है. बावजूद इसके 'सैम बहादुर' ने रिलीज के 12 दिनों में अपना बजट वसूल कर लिया था. 'सैम बहादुर' को रिलीज हुए अब दो हफ्ते पूरे होने जा रहे हैं. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने रिलीज के 13वें दिन 2.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. रिपोर्ट के मुताबिक 'सैम बहादुर' ने रिलीज के 14वें दिन 1 करोड़ 75 लाख रुपयों का कलेक्शन किया है. इसके बाद 'सैम बहादुर' की 14 दिनों की कुल कमाई अब 64.90 करोड़ रुपये हो गई है. हालांकि ये शुरूआती आंकड़े हैं ऑफिशियल नंबर्स आने के बाद इनमें थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है.

मेघना गुलज़ार निर्देशित 'सैम बहादुर' ने अपनी लागत वसूल ली है. फिल्म ने रिलीज के 14 दिनो 64 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. वहीं वर्ल्डवाइड ये फिल्म अभी भी 100 करोड़ के क्लब में शामिल नहीं हो पाई है. बता दें कि 'सैम बहादुर' ने रिलीज के 13 दिनो में दुनियाभर में 87.50 करोड़ का कलेक्शन किया है.

शब्द सामर्थ्य -038

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

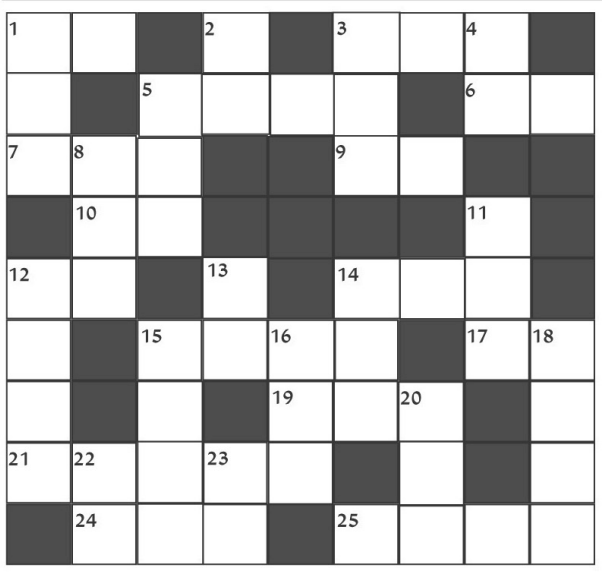

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

फाइटर: ऋतिक-दीपिका की केमिस्ट्री ने जीता फैंस का दिल

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की अपकमिंग एरियल एक्शन फिल्म फाइटर का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर किया गया था, जिसे दर्शकों की तरफ से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था।

वहीं टीजर के बाद अब फिल्म का पहला गाना शेर खुल गए रिलीज किया गया है। इस गाने में दीपिका और ऋतिक की केमिस्ट्री लाजवाब है। दोनों के डांस मूव्स भी कमाल के हैं। रिलीज होते ही ये गाना खूब वायरल हो रहा है। ऐसे में एक बार फिर ऋतिक रोशन अपने डासिंग स्किल्स से फैंस को इंप्रेस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं दीपिका भी उनके साथ गाने की रिदम पर रिदम मिलाकर शनदार डांस करती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें कि इस गाने को विशाल-शेखर, बेनी दयाल और शिल्पा राव ने आवाज दी है, जबकि विशाल-शेखर ने इसे कंपोज किया है। वहीं इसक लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं। ऋतिक और दीपिका पर फिल्माए गए इस पेपी ट्रैक को सुनकर आप खुद को थिरकने से रोक नहीं पाएंगे।

टीजर की बात करें तो फाइटर का टीजर फुल एक्शन पैक्ड है। 1 मिनट 13 सेकंड के टीजर में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर का दमदार लुक देख फैंस को हो उड़ गए हैं। आर्मी की यूनिफॉर्म पहने तीनों स्टार्स गजब लग रहे है और ऊपर से इनके हवाई स्टंट देखकर होश उड़ गए हैं। फिल्म में दीपिका और ऋतिक फाइटर जेट में सवार होकर एरियल एक्शन करते दिखाई दिए हैं। बता दें कि इस फिल्म के जरिए ऋतिक और दीपिका पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्शन में बनी इस एरियल एक्शन फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका में होंगे। वहीं ऋतिक के साथ सिद्धार्थ की ये तीसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों वॉर, बैंग बैंग में एक साथ काम कर चुके हैं। खास बात बता दें कि फाइटर ऋतिक रोशन की पहली 3डी फिल्म है, जिसे लेकर वह बेहद एक्साइडेट हैं। वहीं फिल्म अगले साल 25 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वर्ल्डवाइड 800 करोड़ के करीब पहुंची रणबीर कपूर की फिल्म

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल इन दिनों सिनेमाघरों में लगी है और बॉक्स ऑफिस पर कमाई का धमाका कर रही है। इस फिल्म ना सिर्फ भारत में बल्कि वर्ल्डवाइड काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 1 दिसंबर को रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को 13 दिन हो चुके हैं और वर्ल्डवाइड कमाई 750 करोड़ रुपये पार हो चुकी है। इस तरह से फिल्म ने 800 करोड़ रुपये के कलेक्शन की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। आइए जानते हैं कि रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने अब तक वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है।

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोग काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं और जिसक चलते बॉक्स ऑफिस पर कमाई का ग्राफ रोजाना तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म एनिमल भारत से साथ ही दुनियाभर में काफी अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेकक्शन के आंकड़े सामने आ गए हैं। टी-सीरीज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के वर्ल्डवाइड आंकड़े दिए हैं। इस फिल्म ने 13 दिन में 772.33 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इस तरह से फिल्म 800 करोड़ रुपये की कमाई की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं।

संदीप वंगा रेड्डी के डायरेक्शन में बनी फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म एनिमल की कहानी एक गैंगस्टर फैमिली की है। जिसमें अनिल कपूर पिता हैं और रणबीर कपूर उनके बेटे के तौर पर नजर आ रहे हैं। फिल्म एनिमल में बॉबी देओल ने विलेन का रोल किया है। इस फिल्म में बॉबी देओल की एक्टिंग ने लोगों का काफी ज्यादा ध्यान खींचा है। फिल्म में बॉबी देओल का स्क्रीन टाइम भले ही कम मिला हो लेकिन वह इतने में काम कर गए और उनके रणबीर कपूर के साथ फाइट सीन को काफी ज्यादा पसंद किया गया।

जौहरी से चारु असोपा ने डिजिटल दुनिया में किया डेब्यू

टेलीविजन उद्योग में देवों के देव महादेव, बाल वीर, बुद्धा और अन्य शो के साथ दर्शकों का दिल जीतने के बाद, चारु असोपा, जिन्होंने अब जौहरी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया है, ने साझा किया कि यह शो कैसा है यह उसके लिए वापसी थी। चारू आखिरी बार 2020 के शो अकबल का बल बीरबल में नजर आई थीं। वह वर्तमान में टेलीविजन शो कैसा है ये रिश्ता अंजाना में मुख्य महिला प्रतिपक्षी के रूप में अभिनय कर रही हैं।

अभिनेत्री की शादी पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन के छोटे भाई राजीव सेन से हुई थी। हालांकि, 2023 में दोनों अलग हो गए। उनकी एक बेटी है जिसका नाम जियाना सेन है। चारू ने अब जौहरी से डिजिटल दुनिया में डेब्यू किया है। श्रृंखला के बारे में बात करते हुए, चारू ने कहा- जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे पता था कि यह वह स्क्रिप्ट है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। यह शो मेरे लिए वापसी थी, और मैं एक अलग भूमिका निभाना चाहती थी जो मेरे पास थी पहले कभी नहीं खेला था। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, मैंने हमेशा टीवी पर काम किया है और एक ही तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। मुझे तानी का किरदार दिलचस्प और मेरे ओटीटी डेब्यू के लिए उपयुक्त लगा।

चारु ने रहस्यमय तानी का किरदार निभाया है, जिसका प्रभाव नीरज (निशांत मलकानी द्वारा अभिनीत) को हीरे के कारोबार में सबसे आगे रहने के लिए प्रेरित करता है। वह वही थी जिसने उसके जीवन को उल्टा कर दिया। जबकि नीरज मस्तिष्क थीं, वह सामाजिक चेहरा थीं जिसने देश के सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

जौहरी एक आम आदमी की यात्रा को दर्शाती है जो अपने चाचा के मार्गदर्शन में एक हीरा मुगल में बदल जाता है। नाटक तब और अधिक मनोरंजक हो जाता है जब कहानी बैंक घोटालों और धोखाधड़ी की दुनिया में उतरती है, जिसमें एक व्यवसायी के उत्थान और पतन को दर्शाया गया है। यह श्रृंखला नीरज की विनम्र शुरुआत से शुरू होती है और एक स्टाइलिश थ्रिलर में विकसित होती है जो 90 के दशक के सार को दर्शाती है।

अजय देवगन-तबु की फिर दिखेगी जोड़ी

अजय देवगन और तबु बॉलीवुड के पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। दोनों ही एक्टर्स एक साथ कई फिल्मों में नजर आ चुके है। अजय और तबू की जोड़ी पिछली बार भोला फिल्म में दिखाई दी थी। दोनों एक बार फिर एक साथ नजर आने वाले हैं।

अजय देवगन और तबू जल्द ही नीरज पांडे की अपकमिंग फिल्म औरों में कहां दम था में फिर से एक साथ नजर आने वाले हैं। फैंस को दोनों की कैमेस्ट्री देखने को मिलने वाली हैं। फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ गई हैं। नीरज पांडे ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया है। फिल्म अगले साल 26 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी।

नीरज से पहले अजय देवगन ने इस फिल्म का ऐलान किया था। उन्होंने 5 दिसंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था- मैं नीरज पांडे के साथ अपने कोलेबोरेशन का ऐलान करता हूं। इसके बाद से ही फैन काफी एक्साइटिड हो गए थे।

फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है, लेकिन अभी ये कन्फर्म नहीं हुआ है कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। औरों में कहां दम था में अजय देवगन और तबू के अलावा जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी जैसे शानदार एक्टर्स दिखेंगे।

माथे पर तिलक मुंह में सिगार लिए खूंखार दिखे राणा दग्गुबाती

राणा दग्गुबाती के 38वां जन्मदिन दिन को और खास बनाने के लिए उनकी अगली फिल्म राक्षस राजा के निर्माताओं ने अभिनेता का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया है। हाई-ऑक्टेन गैंगस्टर ड्रामा के लिए राणा निर्देशक तेजा के साथ फिर से जुड़े है। इससे पहले दोनों ने नेने राजू नेने मंत्री के लिए साथ काम किया था। आइए जानते हैं कि अभिनेता का लुक कैसा है।

राणा दग्गुबाती के जन्मदिन के जश्न के दौरान फिल्म का शीर्षक सामने आया। राणा ने अपने आगामी फिल्म राक्षस राजा से अपना फर्स्ट-लुक पोस्टर साझा किया और लिखा, #राक्षसराजा शुरू होता है। पोस्टर में राणा अपने कंधे पर एक बड़ी बंदूक और दूसरे कंधे पर गोलियां रखे हुए नजर आ रहे हैं। विभूति और तिलक लगाए, मुंह में सिगार लिए वह खूंखार दिख रहे हैं।

राक्षस राजा एक पारिवारिक नाटक और अपराध की दुनिया की दिलचस्प खोज को दिखाती फिल्म है। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी निर्माताओं द्वारा साझा नहीं की गई है। हालांकि, इस फर्स्ट लुक ने राणा दग्गुबाती के फैंस को काफी उत्साहित कर दिया है। एक तरफ तो फैंस अभिनेता के जन्मदिन पर उन्हें ढेर सारी बधाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग फिल्म के बारे में अधिक जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और अभिनेता ने फिल्म को लेकर ढेर सारे प्रश्नों की बौछार कर रहे हैं।

राक्षस राजा से अभिनेता के पहले लुक पर प्रशंसक ढेर सारा प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, राणा दग्गुबाती काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म तो जबर्दस्त होने वाली है। दूसरे यूजर ने लिखा, फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। एक और यूजर ने लिखा, पहली बार राणा दग्गुबाती का खूंखार लुक मुझे काफी पसंद आ रहा है। फिल्म का इंतजार है।

भाजपा के प्रयोगों में नया कुछ नहीं!

अजीत द्विवेदी

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने तीन नए मुख्यमंत्री बनाए हैं। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय को छोड़ दें तो बाकी दोनों नाम बहुत चौंकाने वाले हैं। साय दो बार प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और केंद्र में इस्पात राज्य मंत्री रहे हैं इसलिए लोगों ने उनका नाम सुना हुआ था और चुनाव नतीजों के बाद से ही उनके नाम की चर्चा भी हो रही थी। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि मध्य प्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री हो जाएंगे। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने इन दोनों का नाम तय करा कर सबको चौंकाया। जब से इन दोनों का नाम तय हुआ है तब से इस बात की चर्चा हो रही है कि भाजपा ने बिल्कुल नया प्रयोग किया है और दूसरी पार्टियों को इससे सीखना चाहिए। लेकिन सवाल है कि इसमें नया क्या है? क्या भाजपा ने पहले ऐसे प्रयोग नहीं किए हैं?

इस प्रयोग के बारे में जो नई बात कही जा रही है उसमें दो-तीन बातें खास हैं। जैसे ये तीनों मुख्यमंत्री 60 साल से कम उम्र के हैं। तीनों बहुत चर्चित चेहरे नहीं हैं। तीनों में से एक भजनलाल शर्मा पहली बार के विधायक हैं। तीनों राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की पृष्ठभूमि वाले हैं और संगठन में सक्रिय रहे हैं। अगर इन चार बातों को देखें तो इसमें कुछ भी नया नहीं है। सबसे पहले उम्र की बात करें। तो आज से 20 साल पहले जब वसुंधरा राजे और रमन सिंह मुख्यमंत्री बने थे तब दोनों की उम्र 50 साल थी। यानी अभी बने तीनों कथित युवा मुख्यमंत्रियों से कम थी। आज से 18 साल पहले, जब शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तब उनकी उम्र सिर्फ 46 साल थी। खुद नरेंद्र मोदी जब पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे तब उनकी उम्र 52 साल की थी। उनको उस समय गुजरात भाजपा के सबसे दिग्गज नेता केशुभाई पटेल को हटा कर मुख्यमंत्री बनाया गया था। सो, इसमें कुछ भी नया नहीं है कि भाजपा ने 60 साल से कम उम्र के नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया या संबंधित राज्यों के सबसे मजबूत और दिग्गज नेताओं को दरकिनार करके अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को कमान सौंपी। भाजपा पहले भी यह काम करती रही है।

अगर पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाने के प्रयोग की बात करें तो वह भी भाजपा पहले कर चुकी है। नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे तब वे विधायक भी नहीं थे। वे मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार विधायक बने और पहली बार सांसद बने तो प्रधानमंत्री बने। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा में 2014 में भाजपा के जीतने पर पहली बार के विधायक मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया। जहां तक अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने की बात है तो मनोहर लाल खट्टर से बेहतर मिसाल नहीं हो सकती है। अनेक दिग्गज नेताओं के होते हुए मोदी ने खट्टर को सीएम बनवाया था। इसी तरह उत्तराखंड में त्रिवेंद्र सिंह रावत हों या तीरथ सिंह रावत हों या मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हों ये सब कम चर्चित चेहरे रहे हैं। धामी के बारे में तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि वे सीएम बनेंगे। लेकिन चुनाव से छह महीने पहले वे मुख्यमंत्री बने और खुद विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद भी उनको दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। गुजरात में भूपेंद्र पटेल से लेकर हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर और महाराष्ट्र में देवेंद्र फडऩवीस तक भाजपा दूसरी या तीसरी कतार के नेताओं को मुख्यमंत्री बनाती रही है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने से पहले भी ऐसे प्रयोग बहुत हुए। मध्य प्रदेश में बाबूलाल गौर हों या उत्तर प्रदेश में रामप्रकाश गुप्त हों या कर्नाटक में डीवी सदानंद गौड़ हों, ऐसे कई नेता मुख्यमंत्री बने थे, जो बहुत चर्चित या लोकप्रिय नहीं थे।

तीनों नए मुख्यमंत्रियों में एक कॉमन बात राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की पृष्ठभूमि से होना है। लेकिन यह भी कोई नई बात नहीं है। हां, यह जरूर है कि पिछले कुछ समय से भाजपा ऐसे नेताओं को तरजीह दे रही थी, जो दूसरी पार्टियों से आए थे। असम सहित समूचे पूर्वोत्तर में उसने कांग्रेस से आए नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया तो कर्नाटक में भी पुराने समाजवादी नेता बसवराज बोम्मई को सीएम बनाया था। लेकिन पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा की जो रणनीति है उसे वह हिंदी हृद्य प्रदेशों में नहीं आजमा सकती है। उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्यों में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मजबूत नेटवर्क और उसके काम की वजह से भाजपा जीतती है। इन राज्यों का मतदाता भी भाजपा और संघ की वजह से विचारधारा की प्रतिबद्धता लिए हुए है। तभी इन राज्यों में बाहरी नेता को कमान देने का प्रयोग संभव नहीं है। यही कारण है कि भाजपा के आला नेताओं के तमाम सद्भाव के बावजूद ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्यमंत्री नहीं बन पाए।

जहां तक जातीय संतुलन साधने की कोशिश का सवाल है तो उसमें भी कुछ नया नहीं है। ध्यान रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड दोनों राज्य एक साथ बने थे, जिसमें झारखंड में भाजपा को पहली सरकार बनाने का मौका मिला और उसने अटल बिहारी वाजपेयी की तब की सरकार में मंत्री रहे बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री बना कर बैठाया था। चूंकि एक राज्य में आदिवासी मुख्यमंत्री बन गया था इसलिए भाजपा ने छत्तीसगढ़ में गैर आदिवासी रमन सिंह पर दांव खेला था। छत्तीसगढ़ में भाजपा लगातार जीतती रही और रमन सिंह सीएम बने रहे तो उधर झारखंड में भाजपा को जब भी मौका मिला तो आदिवासी मुख्यमंत्री बना। मरांडी के बाद तीन बार अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री बने। चूंकि नरेंद्र मोदी ने कमान संभालने के बाद झारखंड में रघुबर दास के रूप में पहला गैर आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया था इसलिए उन्होंने छत्तीसगढ़ में पहला मौका मिलते ही नुकसान की भरपाई के लिए आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया। बाकी दोनों राज्यों में पहले से जो समीकरण था वहीं समीकरण अब भी है। 2003 में जब छत्तीसगढ़ में रमन सिंह बने तो मध्य प्रदेश में पहले उमा भारती फिर बाबूलाल गौर और फिर शिवराज सिंह चौहान के रूप में लगातार ओबीसी मुख्यमंत्री बनाया गया। और राजस्थान में वसुंधरा राजे के रूप में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए रखा गया। अब भी भाजपा ने उसी समीकरण को आगे बढ़ाया है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा को सीएम बनाया है। फर्क यह है कि इस बार राजस्थान में राजपूत की बजाय ब्राह्मण सवर्ण चेहरा लाया गया है। वह इसलिए क्योंकि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में दो राजपूत मुख्यमंत्री हैं।

सो, तीनों राज्यों में नया या बहुत क्रांतिकारी कुछ होने का जो हल्ला मचा हुआ है असल में वैसा नहीं है। तीनों मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी को नएपन के नजरिए से देखने की जरुरत नहीं है, बल्कि इस नजरिए से देखने की जरुरत है कि मोदी और शाह ने जो जोखिम लिया है उसका भाजपा को फायदा होगा या नुकसान। कई जगह पुराने नेताओं को किनारे करके नए चेहरे आगे करने की राजनीति का भाजपा को फायदा हुआ लेकिन कई जगह नुकसान भी हुआ। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश का नुकसान सबके सामने है। हरियाणा में भी भाजपा को नुकसान ही हुआ था और इसलिए एक दूसरी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। झारखंड में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने निश्चित रूप से जोखिम के फैक्टर का विश्लेषण किया होगा। लेकिन कई बार बहुत वस्तुनिष्ठ विश्लेषण भी गलत साबित हो जाता है। जिन तीन राज्यों में भाजपा ने तीन नए चेहरे उतारे हैं वहां पुराने नेता अब भी सक्रिय हैं और बहुत मजबूत हैं। आगे उनकी राजनीति पर नजर रखने की जरुरत है। दूसरे, कई बड़े नेता ऐसे हैं, जिनको उनकी मर्जी के विपरीत राज्य की राजनीति में उतारा गया है। तीसरे, जाति का संतुलन बनाने में कई जातियां नाराज हुई हैं। ध्यान रहे छत्तीसगढ़ में ओबीसी मुख्यमंत्री कांग्रेस को आदिवासी वोट नहीं दिला पाए। तो जरूरी नहीं है कि भाजपा के आदिवासी मुख्यमंत्री ओबीसी वोट दिला देंगे। इसी तरह राजस्थान में ब्राह्मण, राजपूत और दलित के समीकरण ने दलित, मीणा, गुर्जर, जाट बिगड़ सकते है। इन प्रयोगों के बाद अगला चुनाव लोकसभा का है, जो नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा। इसलिए उसमें तो नहीं लेकिन उसके बाद के विधानसभा चुनावों में इन प्रयोगों की सफलता या विफलता का आकलन होगा।

सू- दोकू क्र.038

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.37 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भाजपा के प्रयोगों से क्या कांग्रेस सबक लेगी?

भारतीय जनता पार्टी ने तीन राज्यों में बिल्कुल नए चेहरों को मुख्यमंत्री बना दिया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के तीनों नए मुख्यमंत्रियों की उम्र 60 साल से कम है। इस तरह भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सिर्फ पुराने नेताओं को किनारे करके किसी के चुनौती के तौर पर उभरने की संभावना को खत्म कर दिया तो नई लीडरशिप भी तैयार कर दी। इससे पार्टी का कार्यकर्ताओं और दूसरी, तीसरी कतार के नेताओं को यह मैसेज गया है कि किसी समय उनकी भी लॉटरी खुल सकती है। तभी यह सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस इससे कोई सबक लेगी? क्या कांग्रेस पार्टी के पुराने नेताओं को हटा कर उनकी जगह नया नेता नियुक्त करेगी? यह भी कहा जा रहा है कि अगर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले नए नेताओं को आगे किया होता तो शायद चुनाव नतीजे अलग होते क्योंकि कांग्रेस ने जिन नेताओं को कमान सौंपी थी उनके चेहरे देख कर लोग उबे हुए थे।

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि उसके पास नए नेता बहुत कम बचे हैं। राहुल गांधी ने एक प्रयोग के तौर पर 2009 में जो नए चेहरे आगे किए थे उनमें से ज्यादातर भाजपा के साथ चले गए हैं। जो बचे हैं उनमें से कुछ ही लोग कांग्रेस के साथ सक्रिय हैं। कांग्रेस उनको आगे कर सकती है लेकिन पुराने नेताओं से नेतृत्व छीनना बहुत आसान नहीं होगा। इसका कारण यह है कि कांग्रेस का आलाकमान भाजपा हाईकमान जितना ताकतवर नहीं है। भाजपा में नरेंद्र मोदी और अमित शाह चुनाव जिता रहे हैं तो पार्टी के नेता उनके हर आदेश का पालन करते हैं। तीसरी बात

यह है कि भाजपा के पीछे आरएसएस की ताकत है, जिसके बिना भाजपा नेताओं की कोई हैसियत नहीं होती है। यही कारण है कि भाजपा से अलग हुआ कोई नेता सफल नहीं हुआ, जबकि कांग्रेस से अलग होकर सारे बड़े नेता फल-फूल रहे हैं। चौथा बात यह है कि कांग्रेस पार्टी के पास संसाधनों की कमी है, जबकि नेता अमीर हैं। इसके उलट भाजपा संसाधनों के लिए नेताओं पर निर्भर नहीं है। तभी कांग्रेस के लिए भाजपा जैसा प्रयोग करना मुश्किल है। फिर भी पार्टी कुछ तो सबक ले ही सकती है। लेकिन उसमें भी मुश्किल यह है कि पार्टी बदलाव में जितनी देरी करेगी बदलाव उतना मुश्किल होता जाएगा। (आरएनएस)

कल्याण राम की डेविल-द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट मूवी का ट्रेलर जारी

बहुप्रतीक्षित डेविल-द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट के साथ एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि अभिषेक पिक्चर्स के सौजन्य से इसका नवीनतम ट्रेलर केंद्र स्तर पर है। 29 दिसंबर 2023 में रिलीज होने वाली इस एक्शन से भरपूर फिल्म में करिश्माई नंदामुरी कल्याण राम के साथ प्रतिभाशाली संयुक्ता मेनन और शानदार कलाकार शामिल हैं।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित, जो निर्माता भी हैं, अभिषेक पिक्चर्स के बैनर तले यह उद्यम जासूसी और साज़िश की दुनिया में एक मनोरम यात्रा का वादा करता है। कहानी, पटकथा और संवादों के लिए जिम्मेदार श्रीकांत विसा की कहानी कहने की क्षमता कहानी में गहराई और आयाम जोड़ती है।

फिल्म की गति को हर्षवर्द्धन रामेश्वर की भावपूर्ण रचनाओं ने और बढ़ा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर दृश्य एक उपयुक्त और विचारोत्तेजक संगीतमय पृष्ठभूमि के साथ हो। डेविल एक दिलचस्प कहानी के रूप में सामने आती है जहां रहस्य और रहस्य आपस में जुड़ते हैं, और ब्रिटिश गुप्त एजेंट को कहानी के केंद्र में रखते हैं।

जैसे-जैसे प्रत्याशा बढ़ती है, यह सिनेमाई उत्कृष्ट कृति एक रोमांचक अनुभव देने के लिए तैयार है।

स्पेशल टास्क फोर्स भारत के टॉप 3 साइबर इकाइयों में से एक घोषित

संवाददाता

देहरादून। डाटा सिक्योरिटी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा उत्तराखंड एसटीएफ को भारत की टाप तीन साइबर इकाईयों में से एक घोषित किया है।

डाटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा देश भर से 40 विभिन्न स्टेट एवं एजेंसीज में से प्रथम 3 स्टेट एजेंसीज का चयन किया जिनके द्वारा एक्सीलेंस इन केपेसिटी बिल्डिंग फार ला इन्फोर्समेट एजेसी की श्रेणी में उत्तराखंड पुलिस का चयन भी हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड आयुष अग्रवाल की अगुवाई में एसटीएफ के अधीन साइबर थाने देहरादून में विगत एक वर्ष में निरंतर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियान चलाए गये हैं।

उत्तराखंड साइबर पुलिस के ढांचे में वर्तमान में ई-सुरक्षा चलाया जा रहा है जिस क्रम में एसटीएफ उत्तराखंड के लिए पुलिस की नोडल एजेंसी है जो लगातार भारत के इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधों के रोकथाम, उनके अनावरण एवं प्रशिक्षण में निरंतर प्रयास कर रही है। साइबर थाना देहरादून देश का सर्वप्रथम थाना था जिसने साइबर के मामलों में पीड़ित की मदद हेतु जीरो एफआईआर की प्रक्रिया को अपनाया जिसको बाद में गृह मंत्रालय के द्वारा भी सराहा गया है। सरकार के सीसीपीडब्लूसी प्रोजेक्ट के तहत दिए गए लक्षण को स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया है एवं कुछ लक्ष्य को 160 प्रतिशत पूर्ण किया गया हैं। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से साइबर थाना देहरादून द्वारा न्यायाधीशों अभियोजन अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों आदि को साइबर संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण भी प्रदान किया है। 300 पुलिस कर्मियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण, 148 कर्मियों को बेसिक कम एडवासिड डिजिटल इन्वेसटिगेशन, जिलों में पढ़ाने वाले 30 कर्मियों को ट्रेनिंग आफ टेर्नर (टीओटी) प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक साइबर थाना अंकुश मिश्रा द्वारा तीन दिवसीय साइबर प्रशिक्षण प्रोग्राम झारखंड पुलिस को रांची में दिया गया। देश की समस्त पुलिस एवं सेंट्रल एजेंसीज के लगभग 1000 ऑफिसर एवं कर्मियों को साइबर संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त एसटीएफ देहरादून द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह सभी प्रयास अभियोगों के अनावरण के अतिरिक्त किया जा रहे हैं जहां साइबर थाने देहरादून द्वारा देश भर से गिरफ्तारियां की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड आयुष अग्रवाल की अगुवाई में स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों को डाटा सिक्योरिटी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा सराहा गया है एवं भारत के प्रथम तीन साइबर एकायों में से चयन किया गया है।

समिति ने चरण सिंह की जयंती पर उनको याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेता जी संघर्ष समिति ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती पर उनको याद किया। आज यहां देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने अपने कार्यालय कावली रोड पर उन्हें याद किया। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि एक किसान परिवार में जन्म लिया और देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे चरण सिंह के जीवन से हमे प्रेरणा लेकर देश और किसानों की सेवा करनी चाहिए उनके संघर्ष को हमे याद रखना चाहिए। स्वर्गीय चरण सिंह को श्रद्धांजलि देने और याद करने वालों में आरिफ वारसी ,प्रभात डंडरियाल ,प्रदीप कुकरेती , सुशील विरवानी, विपुल नौटियाल , सुरेश कुमार, नूर नाज, संदीप गुप्ता, दानिश नूर, मनोज सिंघल आदि उपस्थित रहे।

फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने पर..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

का संज्ञेय अपराध कारित किया गया है। जांच आख्या से स्पष्ट है कि सम्बंधित व्यक्ति द्वारा कूटरचना कर आयोग की छवि धूमिल करने का कुत्सित प्रयास किया गया है। आयोग द्वारा संदर्भगत प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज किए जाने का निर्णय गया है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुर्नरावृत्ति न हों। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण जरुरी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

विरासत के संरक्षण के प्रति सतर्क बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पराधीनता की मानसिकता व उसकी स्मृतियों को हटाने और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय उत्थान का समय है और आज देश भर में हर क्षेत्र में देश उत्थान की ओर अग्रसर है अपनी सांस्कृतिक विरासत को सजाने संवारने और उन पर गर्व करने का काम हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर उसके प्रचार-प्रसार का काम भी जारी है। धामी ने कहा कि हमारी सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का विकास हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने में सबसे अधिक सहायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की इस यात्रा में हमें कई कठोर फैसले भी लेने पड़ रहे हैं लेकिन हम अब कठिन से कठिन फैसला करने में भी हिचकते नहीं है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में राज्यपाल गुरमीत सिंह भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में कई राज्यों के राज्यपालों सहित कई केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेने वाले हैं।

गो-माता को राष्ट्रमाता का सर्वोच्च सम्मान दिलाने के लिए होगा आंदोलनः संत गोपाल मणि

हमारे संवाददाता

देहरादून। आजादी के 75 वर्षो बाद भी आजादी की सूत्रधार, अमृत की प्रदाता, हमारी आस्था व श्रद्धा का केन्द्र व राष्ट्र की सुख समृद्धि के मूल आधार तथा विकास की जननी गौ माता की हत्या का कलंक इस ऋषि-मुनियों क तपोभूमि पर लग रहा है। जिसे समाप्त करवाकर गौ माता को राष्ट्रमाता का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करवाने के लिए हमारे राज्य के सभो गौ राष्ट्र भक्त कर्तव्यनिष्ठ सन्तो की नियुक्ति कर आगामी 6 फरवरी को श्री शंकराचार्य शिविर, माघ मेला क्षेत्र प्रयागराज में होने जा रही गो-संसद मे पहुंचाने का निर्णय लिया गया है।

यह जानकारी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पूरे विश्व में गौ सेवा की अलख जगाने वाले और गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाने के लिए संघर्षरत गौ सेवा अग्रदूत संत गोपाल मणि जी द्वारा दी गयी। उन्होने कहा कि हमारे प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्रों में इस गो-प्रतिष्ठा आंदोलन अभियान का वातावरण निर्माण किया जायेगा। जिसके लिए चारो पीठों के शंकराचार्यो व राष्ट्र के सन्त महापुरूषों और प्रधान पीठों के आचार्यो का आदेश तथा इस कार्य की सफलता का दायित्व हमें प्राप्त हुआ है।

उन्होने बताया कि 4 जनवरी को वृंदावन में सभी प्रदेशों के गोभक्तों की एक विशेष सभा होगी। जिसमें आंदोलन के विभिन्न पहलुओं को स्पष्टता देते हुए कमर कसी जायेगी। उन्होने बताया कि 15 जनवरी से 23 जनवरी तक दिल्ली में गो-प्रतिष्ठा आदोलन हेतू ग्यारह गो विशेषज्ञ समूहों की बैठक आयोजित की जायेगी। जिसके बाद 30 जनवरी को इस आंदोलन से जुड़े लोगों का प्रतिनिधि मंडल देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व विभिन्न प्रदेशो के मुख्यमत्रियों से मिलेगा। फिर 6 फरवरी को प्रयागराज में एक वृहद गो-संसद का आयोजन होगा। जिसमें गो संसद द्वारा पारित प्रस्तावों के अनुसार कार्य करते हुए गोमाता को राष्ट्रमाता की प्रतिष्ठा दिलाने हेतू हर एक प्रयास किये जायेगें।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने सीवर तिराहे के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ पुलिस ने पीछा कर उसको थोड़ी दूरी पर दबोचे लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 7 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम विलास नाथ पुत्र विक्रम नाथ निवासी सपेरों बस्ती मोथरोवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

वन गुर्जरों ने किया मोर्चा अध्यक्ष का अभिनंदन

हमारे संवाददाता

विकासनगर। वन गुर्जरों ने हर वक्त उनकी समस्याओं के निराकरण एवं मुसीबत में साथ देने के लिए जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी का शाल ओढाकर अभिनंदन किया।

इस दौरान मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि वन गुर्जरों को मुख्य धारा में जुड़ने के लिए शिक्षित, जागरूक एवं संगठित होना पड़ेगा तभी उनकी आने वाली पीढ़ियां आगे बढ़ पाएंगी तथा आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त हो सकेंगी। महासचिव आकाश पंवार ने कहा कि मोर्चा हर वक्त वन गुर्जरों की हितों को लेकर उनके साथ है। अभिनंदन करने वालों में मोर्चा के इदरीश तथा जहूर हसन, नूर आलम, लियाकत, शोएब, बिन्नू, आजाद, गोटी, अंजुम, युसूफ,हनीफ, जाफर, जान्नी, गनी , मासूम आदि कई लोग शामिल थे।

स्वरोजगार व प्राइवेट सेक्टर ही भविष्य में रोजगार के प्रमुख क्षेत्रः उनियाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सरकारी सेवाओं में नौकरी की सीमित संभावनाएं हैं, स्वरोजगार और प्राइवेट सेक्टर ही भविष्य में रोजगार के प्रमुख क्षेत्र हैं,इसलिए युवाओं को इसी आधार पर भविष्य की तैयारी में जुटना चाहिए। यह विचार प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

बताते चलें कि धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर में आज छात्र संघ समारोह का आयोजन किया गया। छात्र संघ एवं कॉलेज प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर छात्र संघ अध्यक्ष नितिन नेगी ने महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं का मांग पत्र कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के समक्ष पढ़ कर रखा।

छात्रों की मांग पर कैबिनेट मंत्री ने महाविद्यालय में फर्नीचर के लिए 5 लख रुपए एडवेंचर टूरिज्म के अंतर्गत क्रैश मैट के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की। उनियाल ने अध्यापकों के रिक्त पदों ,महाविद्यालय से डंपिंग जोन, निकट कुमार खेड़ा तक सड़क मार्ग एवं विज्ञान संकाय भवन के निर्माण की दिशा में शीघ्र कार्यवाही किए जाने का आश्वासन कॉलेज परिवार एवं उपस्थितजनों को दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज की ओर से प्राचार्य प्रोफेसर आर के उभान ने मुख्य अतिथि को पुष्प कुछ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस दौरान छात्रों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र नगर, राजेंद्र भंडारी प्रोफेसर आशुतोष शरण छात्र संघ प्रभारी डॉ नताशा ,पूर्व छात्र संघ पदाधिकारी ,वर्तमान छात्र संघ पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य कॉलेज प्राध्यापक कर्मचारी छात्र-छात्राएं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी तथा अभिभावक विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ राजपाल रावत एवं डॉ सोनी तिलारा संयुक्त रूप से किया।

एक नजर

रिहा की गई 30 इजरायली महिला बंधकों के साथ गाजा में हुआ रेप !

नई दिल्ली। हमास और इजरायल के बीच गाजा पट्टी में जंग जारी है। इस दौरान हमास ने साफ कर दिया है कि जबतक ये जंग रुक नहीं जाती तब तक बंधकों की रिहाई मुमकिन नहीं है। इजरायली सेना भी हमास को तबाह करने पर तुली है। इसी दौरान दो इजरायली डॉक्टर ने एक बड़ा दावा किया है। ये दोनों डॉक्टर रिहा किए गए बंधकों का इलाज कर रहे थे। उन डॉक्टरों का दावा है कि बंधक बनाई गई कई महिलाओं के साथ बेरहमी से बलात्कार किया गया था। इजरायली डॉक्टरों के इस दावे पर इस मामले से परिचित एक इजरायली सैन्य अधिकारी ने यूएसए टुडे से इस खबर की पुष्टि की है। उस अधिकारी ने कहा कि कुछ रिहा किए गए बंधकों ने खुलासा किया कि उन्हें कैद में हिंसक यौन हमलों का सामना करना पड़ा। उन दो इजरायली डॉक्टरों और उस सैन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर अमेरिकी पोर्टल यूएसए टुडे से बातचीत के दौरान ये दावा किया। डॉक्टरों ने बंधकों के इलाज के दौरान पाया कि 12 से 48 साल तक की रिहा की गई इजरायली महिला बंधकों में से कईयों के साथ गाजा में रेप किया गया। यौन उत्पीड़न का शिकार होने वाली महिलाओं की संख्या लगभग 30 है। एक डॉक्टर ने कहा कि जिन लोगों का यौन शोषण हुआ है उनकी मृत्यु दर आम तौर पर उन लोगों की तुलना में चार गुना अधिक होती है, जिनका यौन शोषण नहीं हुआ है।

रवीना टंडन ने बेटी राशा के साथ पूरे किए 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा

मुंबई। सालों तक अपनी खूबसूरती से लोगों के दिलों पर राज करने वाली बॉलीवुड की मस्त- मस्त गर्ल रवीना टंडन इन दिनों शिव भक्ति में डूबी नजर आ रही हैं। हाल ही में रवीना ने अपनी बेटी के साथ 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा पूरी की है, जिसकी जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है। हाल ही में रवीना ने अपने इंस्टा हैंडल पर 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पूरी करते हुए तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। उनका सफर केदारनाथ धाम से शुरू हुआ और रामेश्वरम मंदिर में खत्म हुआ। रवीना के साथ उनकी बेटी राशा ने भी 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा पूरे किए। रवीना ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें रवीना और राशा को रात में रामेश्वरम मंदिर के ठीक सामने कैजुअल आउटफिट में पोज देते देखा जा सकता है। वहीं दोनों अगले दिन सुबह मंदिर भी गए, जहां उन्होंने आशीर्वाद मांगा। इसके अलावा, रवीना ने मंदिर के पास धनुष कोडी समुद्र तट पर कुछ अच्छे पलों का भी आनंद लिया। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने कैप्शन में लिखा है- केदारनाथ से रामेश्वरम तक, 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों को पूरा करने की हमारी खोज हर चीज के लिए धन्यवाद शिव! हर हर महादेव।

बीजेपी की जीत के लिए 6 साल नंगे पांव रहे रामदास को शिवराज चौहान ने पहनाए जूते

नई दिल्ली। भाजपा को कैडर आधारित पार्टी कहा जाता है। ये जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता ही होते हैं जिनकी बदौलत बीजेपी अपना बूथ मैनेजमेंट करती है। चुनावों में भगवा पार्टी के कार्यकर्ता हर बूथ को जिताने के लिए जी जान से जुटते हैं। बीजेपी के ऐसे ही एक जुझारू कार्यकर्ता हैं रामदास पुरी, जो मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के रहने वाले हैं। वह अनूपपुर के भाजपा जिलाध्यक्ष हैं। रामदास सर्दी, गर्मी और बरसात की परवाह किए बिना गत 6 वर्षों से नंगे पांव रह रहे थे। वजह थी 2018 एमपी विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार। रामदास पुरी ने तब संकल्प लिया था कि जब तक भाजपा मध्य प्रदेश में दोबारा चुनाव जीतकर सत्ता में नहीं आती, तब तक वह नंगे पांव रहेंगे। भाजपा ने मध्य प्रदेश सरकार तो 2020 में ही बना ली थी, लेकिन यह विधानसभा चुनाव जीतकर नहीं बनी थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगुवाई में कांग्रेस के 20 से ज्यादा विधायकों ने बगावत कर दी थी, जिसके बाद कमलनाथ की सरकार अल्पमत में आकर गिर गई थी। इस मौके का फायदा उठाकर बीजेपी ने सरकार बनाई और उपचुनाव में बहुमत भी हासिल कर लिया। लेकिन रामदास ने अपना संकल्प नहीं तोड़ा। वह अगले विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार करते रहे। उनका यह संकल्प 3 दिसंबर 2024 को पूरा हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद अनूपपुर पहुंचकर रामदास पुरी को अपने हाथों जूता पहनाया।

नरभक्षी प्रभावित क्षेत्र में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। भीमताल के नरभक्षी प्रभावित क्षेत्र दुधली में देर रात एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। वन विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद है, वहीं डी.एफ.ओ.चंद्रशेखर जोशी का कहना है कि दुधली में पकड़े गए गुलदार के सैम्पल लेकर जांच की जाएगी, कि क्या यह वही हमलावर नरभक्षी हैं?

नैनीताल जिले में भीमताल का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों तीन महिलाओं को हिंसक वन्यजीव द्वारा शिकार बनाए जाने को लेकर चर्चाओं में है। शासन ने पूर्व समय में गुलदार को नरभक्षी घोषित करते हुए मारने के आदेश दिए थे, जिसके बाद उच्च न्यायालय ने स्वत: मामला संज्ञान लेकर उसे सीधे मारने से मना कर दिया गया था। साथ ही वन विभाग द्वारा नरभक्षी को गुलदार या बाघ चिन्हित कर पाने में असफल होने पर न्यायालय ने पहले उसे चिन्हित कर कब्जे में लेने को कहा था। जिसके बाद वन विभाग ने हिंसक वन्यजीव को पकड़ने के लिए 14 पिंजरे और 36 कैमरा ट्रैप लगाए। इसके अलावा कई गश्ती दल और ड्रोन कैमरे से हिंसक वन्यजीव की लोकेशन को तलाशा गया।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम तक तमाम कोशिशों के बावजूद विभाग को हिंसक वन्यजीव के पंजे, मल मूत्र, कोई फोटो या अन्य ठोस जानकारी नहीं मिल सकी थी। आज सवेरे बाघ और गुलदार के असमंजस के बीच बड़ेंन रेंज के दुधली गांव में एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े गए तंदुरुस्त गुलदार के सैम्पल लेकर इस बात की टेस्टिंग कराई जाएगी कि क्या ये वही हिंसक वन्यजीव है जिसकी विभाग को तलाश है?

शासन ने किये आइपीएस अधिकारियों के प्रमोशन

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून स्थित सचिवालय में शुक्रवार को मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू की अध्यक्षता में आईपीएस अधिकारियों की डीपीसी की गई। इसके जरिए राज्य के कई पुलिस अधिकारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। जिन भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की डीपीसी हुई है, उनमें चार अधिकारी ऐसे हैं, जो डीआईजी पद से आईजी पद के लिए पदोन्नत हुए हैं। इसमें पुलिस उपमहानिरीक्षक स्वीटी अग्रवाल, अरुण मोहन जोशी, अनंत शंकर ताकवाले और राजीव स्वरूप शामिल हैं। इन सभी को 1 जनवरी 2024 से पुलिस महानिरीक्षक पद पर पदोन्नति दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इनमें से स्वीटी अग्रवाल फिलहाल प्रतिनियुक्ति पर गई हुई हैं। इनके अलावा पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में वर्ष 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी सुखबीर सिंह भी शामिल हैं, जिन्हें 1 जनवरी 2024 से पुलिस उपमहानिरीक्षक यानी डीआईजी के पद पर पदोन्नति दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

चरस व नगदी सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चरस तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 50 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से इलैक्ट्रानिक तराजू व 2210 रूपये की नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली ज्वालापुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान उसे अंबेडकरनगर क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 50 ग्राम चरस, इलैक्ट्रानिक तराजू व 2210 रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम संधिरा पुत्र बाबूराम निवासी मोहल्ला कडच्छ बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

एनएसजी कमांडो बताकर ठगे 3 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। एनएसजी कमांडो बताकर तीन लाख रुपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडितवाडी निवासी दिनेश कुमार आले ने कैट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका श्री एन्कलेव, पंडितवाड़ी में स्वयं का मकान है, जिसमें एक सेट खाली था। जिसको किराये पर देने के लिए उसके द्वारा 05 दिसम्बर 2023 को ओएलएक्स पर ऐड पोस्ट किया गया था जिस पर उसका मोबाईल नम्बर भी अंकित था। इसके बाद 06 दिसम्बर 2023 को उसके मोबाईल नम्बर पर एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से सुबह कॉल प्राप्त हुयी जिसने स्वयं का परिचय देते हुए बताया कि उसका नाम आशीष कुमार पहाड़ी है, वह एनएसजी कमाण्डो है और उसकी पोस्टिंग देहरादून होने जा रही है, जिसके लिए उसे देहरादून में किराये के मकान की आवश्यकता है। उसके द्वारा उसको व्हट्सएप्प नम्बर से अपना आधार कार्ड, कैन्टीन स्मार्ट कार्ड आदि भेजे गये जिस देखकर उसको यकीन हो गया कि यह व्यक्ति एनएसजी कमाण्डो ही है। उसने उसको व्हट्सएप्प पर रूम का फोटो भेजने को कहा और उसके तीन चार घण्टे बाद मुझे पुन: कॉल कर बताया कि उसे रूम पसंद आ गया है। कल शाम को ही उसका फिर से कॉल आया और उसने उसको जानकारी दी की उसे आर्मी के सरकारी एकाण्ट से ही किराया मिलता है, जो सीधा मकान मालिक के खाते में ट्रान्सफर होता है और उससे पहले मकान मालिक को अपना बैंक खाता सत्यापित करवाने के लिये कुछ प्रक्रिया करनी पड़ती है। उसने उससे उसके खाते के संबंध में जानकारी मॉगी तो उसने उसे अपने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के खाते के बारे में व इस खाते से संबंधित मोबाईल नम्बर बता दिया था। उसने उससे कहा की आपको अपना खाता सत्यापन करवाने के लिये ओटीपी शेयर करने होंगे जिसके बाद खाता सत्यापित हो जायेगा। तीन बार जब उसने उसे ओटीपी जो उसको अपने मोबाईल में प्राप्त हो रहे थे शेयर कर दिये तो उसके बाद उसने उससे कहा कि आपका यह खाता सत्यापित नहीं हो पा रहा है। उसके बाद उसने उसको दुसरा बैंक एकाउण्ट की डिटेल शेयर करने को कहा जिस पर उसने उसे अपने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के खाता संख्या के बारे में बता दिया जिसके एटीएम कार्ड की फोटो और अपना पैन कार्ड की फोटो भी उसके कहने पर उसने उसे भेज दी थी। फिर जब रात को करीब साढे दस बजे उसने अपना फोन चौक किया तो देखा की उसके दोनो बैंक खातों से पैसा कटने के मैसेज प्राप्त हुए थे। चौक करने पर मुझे पता चला कि उसके सैन्ट्रल बैंक के खाता संख्या से चार बार

पैसे निकाल गये । तब उसको अहसास हुआ कि किसी साईबर ठग ने एनएसजी कमाण्डों बनकर किराये पर मकान लेने के नाम पर उसके साथ उसके बैंक खाते का किराया प्राप्त करने के लिये सत्यापन करवाने के नाम पर उसके साथ कुल 3,00,781 रूपये की साईबर ठगी की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।